

वन विभाग

भोपाल, दिनांक २६ मई १९७७.

क्र. १४-१९-७६-दस-(२).—चूंकि राज्य शासन का विचार है कि ऐसा करना आवश्यक है. इसलिये वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, १९७२ (क्रमांक ५३ सन् १९७२) की धारा १३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग मैं लाता हूँ. राज्य शासन, मध्यप्रदेश, मंत्रिमंडल, विभाग/अधिकाधिकारी का आदेशानुसार मध्यप्रदेश राज्यपाल को प्राधिकार है कि वह निम्नलिखित प्राणियों की संरक्षण के लिए आवश्यक प्राधिकारों का प्रयोग करेगा।

- १. भेंड़की (मुट्टियक्स मुट्टजेक).
- २. चिंकारा (गंजला गंजला बनेटाई).
- ३. चीतल (एक्सिस एक्सिस).
- ४. चोसिंगा (टेट्रासेरस क्वार्टिकार्निस).
- ५. माउस डीयर (ट्रग्युलस मेमिना).
- ६. नीलगाय (बोसेलाफस ट्रेगोकैमेल्स).
- ७. सांभर (सरव्हस यूनीकलर).

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
बी. सेन., उपसचिव.

भोपाल, दिनांक २६ मई १९७७.

क्र. १४-१९-७६-दस(२).—भारत के संविधान के अनुच्छेद २४८ के खंड (३) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. १४-१९-७६-दस(२). दिनांक २६ मई १९७७ का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल को प्राधिकार से प्रत्यूषुवारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
बी. सेन., उपसचिव.

Bhopal, the 26th May 1977.

No. F. 14-19-76-X-(2).—Where as the State Government considers that it is expedient to do so;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 61 of the Wild Life (Protection) Act, 1972. (No. 53 of 1972) the State Government hereby transfers entries relating to the following animals from Schedule III to Part (II) of Schedule II :-

- 1. Barking deer or Muntjac (Muntiacus muntjak).
- 2. Chinkara or Indian Gazelle (gazella gazella bennetti).
- 3. Chital (Axis axis).
- 4. Four horned antelope (Tetra-ceros quadri-cornis).
- 5. Mouse deer (Tragulus meminna).
- 6. Neelgai (Boselaphus tragocamelus).
- 7. Sambhar (Cervus unicolor).

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,  
B. SEN, Dy. Secy.

भोपाल, दिनांक २६ मई १९७७.

क्र. फा.-२२-२२-७४-३-दस. --इस विभाग की अधिकाधिकारी क्र. २४६-१०-६५, दिनांक १२ जनवरी १९६५ में, आंशिक संशोधन करते हुए तथा मध्यप्रदेश तंत्र परता (व्यापार विनियमन) अधिनियम १९६४ (क्रमांक २९ सन् १९६४) की धारा १३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग मैं लाता हूँ. राज्य शासन, मध्यप्रदेश, मंत्रिमंडल, विभाग/अधिकारी का आदेशानुसार मध्यप्रदेश राज्यपाल को प्राधिकार है कि वह निम्नलिखित प्राणियों की संरक्षण के लिए आवश्यक प्राधिकारों का प्रयोग करेगा।

अनुसूची

क्र.	शक्ति	पदाधिकारी
(1)	(2)	(3)
१	अधिनियम की धारा ३ के अधीन इकाई गठित करने की शक्ति.	प्रमुख वन संरक्षक
२	अधिनियम की धारा ४ के अधीन अभिकर्तियों की नियुक्ति की शक्ति.	वन संरक्षक क्षेत्रीय
३	अभिकर्तियों की नियुक्ति करने के लिए आवेदन-पत्रों का आवाहन करने की शक्ति.	मुख्य वन संरक्षक

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. सी. साबसेगा, उपसचिव.

भोपाल, दिनांक १ जून १९७७.

क्र. १५-२२-७६-दस-(८). --वाइल्ड लाईफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, १९७२ की धारा १८(१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अनुसार मध्यप्रदेश शासन नीचे परिशिष्ट क्र. १ एवं २ में दशायें गये क्षेत्रों को समस्त वन्य पक्षी तथा पशुओं के लिये अभयारण्य घोषित करता है. —

परिशिष्ट क्र. १

- १. अभयारण्य एवं ब्लॉक का नाम.—बोरी अभयारण्य.
- २. जिला.—होशंगाबाद.
- ३. तहसील.—सोहागपुर.
- ४. परिक्षेत्र.—बोरो, सुखतवा, बागरा, सोहागपुर.
- ५. परिक्षेत्र.—बोरी, सुखतवा, सोहागपुर.  
८०२८९ हेक्टर.

सीमा

- उत्तर.—देनवा नदी.
- पूर्व.—पचमढ़ी एवं पिपरिया परिक्षेत्र की सीमा.
- दक्षिण.—बेतूल वन मंडल की सीमा.
- पश्चिम.—तवा नदी.

परिशिष्ट 2

1. अभयारण्य एवं ब्लॉक का नाम.—पचमढ़ी अभयारण्य.
2. जिला.—होशंगाबाद.
3. तहसील सोहागपुर.
4. परिक्षेत्र.—पचमढ़ी एवं पिपरिया.
5. क्षेत्र का रकबा.—६५४.४९ वर्ग कि. मी. या ६५४४९ हेक्टर.

सीमा

- उत्तर.—दमड़ी परिक्षेत्र की सीमा.  
 पूर्व.—छिंदवाड़ा जिला सीमा.  
 दक्षिण.—छिंदवाड़ा जिला सीमा.  
 पश्चिम.—बोरी अभयारण्य की सीमा.

मध्य प्रदेश शासन, वन विभाग की अभिसूचना क्र. १३१३-६०८-दस-२-७५, दिनांक २२ मार्च १९७५ एतद्वारा निरस्त की जाती है.

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
 बी. सेन, उपसचिव.

भोपाल, दिनांक १ जून १९७७.

क्र. १५-२२-७६-दस-२.—भारत के संविधान के अनुच्छेद ३४८ के क्लॉज (३) के अन्वय में, इस विभाग के आदेश क्र. १५-२२-७६-दस-२, दिनांक १ जून १९७७ का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार में एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
 बी. सेन, उपसचिव.

Bhopal, the 1st June 1977.

No. F. 15-22-76-X (2).—In exercise of the powers conferred by section 10 (1) of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act of 1972), the Madhya Pradesh Government hereby declare the Lands specified in Schedule I and II below as Game Sanctuaries under the Act, for all animals and birds in the said sanctuaries:—

Schedule I

1. Name of sanctuary—Bori Sanctuary.
2. District—Hoshangabad.
3. Tehsil—Sohagpur.
4. Range—Bori, Sukhtawa, Bagra, Sohagpur.
5. Area—802.89 Sq. Km. or 80289 Hectare.

Boundaries

- North—Denwa River.  
 East—Boundary of Pachmarhi Range and Piparia range.  
 South—Betul division boundary.  
 West—Tawa River.

Schedule II

1. Name of Sanctuary—Pachmarhi Sanctuary.
2. District—Hoshangabad.
3. Tahsil—Sohagpur.
4. Range—Pachmarhi and Piparia.
5. Area—654.49 Sq. Km. or 65449 Hectare.

Boundaries

- North—Bankhedi Ranges boundary.  
 East—Chhindwara District boundary.  
 South—Chhindwara District boundary.  
 West—Boundary of Bori Game Sanctuary.

Madhya Pradesh, Forest Department Notification No. 1313-608-X-2-75, dated the 22nd March 1977 is hereby cancelled.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,  
 B. SEN, Dy. Secy.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग

भोपाल, दिनांक २१ मई १९७७.

क्र. ५४५९-३६११-ग्यारह-अ.—इंडियन वायलर एक्ट, १९२३ की धारा ३४(२) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य शासन, ओरिएण्टल पेपर मिल्स लि., अमलाई के वायलर क्रमांक एम. पी.-३१७३ के निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम की धारा १(१) के उपबंधों के प्रवर्तन से दिनांक ४ जून से १ जुलाई १९७७ तक को निलंबित करता है:—

- (१) सन्दर्भाधीन वायलर को पकड़ने वाली किसी भी शर्तों की सूचना भारतीय वायलर अधिनियम १९२३ की धारा १८(१) की अपेक्षानुसार, इंडियन वायलर मध्य निरीक्षक, मध्य प्रदेश, इन्दौर को दी जावेगी एवं दृष्टिगत होने के दिनांक से मृत्यु के मान्यता समाप्त समझी जावेगी;
- (२) वायलर अधिनियम की धारा १५ तथा १५(१) के अन्वयानुसार वायलर मध्य निरीक्षक, मध्य प्रदेश के पूर्वनिर्दिष्ट के विना सन्दर्भाधीन वायलर को किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन, परिवर्तन, नवीनीकरण नहीं किया जायेगा;
- (३) सन्दर्भाधीन वायलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया तो वह हट्ट समाप्त हो जावेगी;
- (४) नियतकालिक सफाई और निरीक्षण के निमित्त निकालने (रिग्युलर ब्लोडाउन) का प्रयोजन किया जायेगा और उसका अभिलेख रखा जायेगा;
- (५) मध्य प्रदेश वायलर निरीक्षण नियम १९६३ की धारा ६ की अपेक्षानुसार सन्दर्भाधीन वायलर के वार्षिक निरीक्षण बाल्क देय होने पर निरीक्षण जावेगी.

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
 कि. वि. सिंह, सचिव.